सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

# स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, शुक्रवार, 08 अगस्त, 2025
वर्षः 02, अंकः 211, पृष्ठः 8+4

कैबिनेट से 'वॉर प्लान' पास गाजा पर कब्जा करेगा इजरायल

इनसाइड अखिलेश दुबे की 'लंका'में अखिल कुमार का डंका... » Pg 03

» Pg 12

# ऑन डिमांड बच्चा

## गैंग का खुलासा, गोरे का रेट ज्यादा

### कोडवर्ड था 'प्लॉट', गाजियाबाद से लेकर नेपाल तक फैला जाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**गाजियाबाद।** ट्रॉनिका सिटी थाना पुलिस ने एक बड़े बच्चा चोर गैंग का भंडाफोड़ करते हुए चार सदस्यों को गिरफ्तार किया। इस गैंग के तार गाजियाबाद से लेकर नेपाल तक फैले हैं। गैंग में निजी अस्पतालों के चिकित्सक, नर्स, आशा वर्कर और मैरिज ब्यूरो संचालिकाएं शामिल हैं, जो बच्चों की प्रोफाइल बनाकर सोशल मीडिया पर 'प्लॉट' के कोडवर्ड में खरीदारों से सौदा करते थे।

गाजियाबाद की ट्रॉनिका सिटी पुलिस ने एक साल के बच्चे के अपहरण के बाद बच्चा चोर गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर एक बड़े तस्करी रैकेट का खुलासा किया। इस गैंग के तार

गाजियाबाद, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और नेपाल तक फैले हैं।

**एक साल के मासूम का किया था अपहरण :** बीती चार अगस्त को दोपहर गैंग ने ट्रॉनिका सिटी के पूजा कॉलोनी में एक साल के मासूम फारिस का अपहरण किया। पुलिस ने चार घंटे के भीतर गैंग तक पहुंचकर बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। सीसीटीवी फुटेज में गैंग के सदस्य बच्चे को सड़क पर छोड़कर भागते दिखे। इस फुटेज के आधार पर पुलिस ने खड़खड़ी स्टेशन, लोनी के पास से चार आरोपियों नावेद (लोनी), अफसर अली (लोनी), स्वाति उर्फ साइस्ता (शामली), और संध्या (मुजफ्फरनगर) को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पता चला कि बच्चे को मुरादाबाद में 1.5 लाख रुपये में बेचने की योजना थी।

**दुकान बंद होने से आई पैसे की तंगी, बनाई अपहरण की योजना :** संध्या निवासी अंकित विहार पचैड़ा रोड थाना नई मंडी मुजफ्फरनगर और स्वाती निवासी डंगड्डारा थाना कांधला जनपद शामली को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में पता चला कि अफसर की दोस्ती नावेद से हुई थी। अफसर मीट की दुकान में काम कर रहा था। सावन में मीट की दुकान बंद होने पर उसके सामने पैसे की तंगी आ गई थी। उसने नावेद को बुलाकर पड़ोसी राशिद के एक वर्षीय बच्चे फारिस को अपहरण कर बेचने की योजना बनाई।

### व्हाट्सएप पर बच्चे का फोटो मंगवाया

वह ऐसे गैंग को जानता था जो बच्चा खरीदने बेचने का काम करते हैं। उन्होंने शामली में मैरिज ब्यूरो चलाने वाली स्वाती से संपर्क किया। स्वाती ने मुजफ्फरनगर में मैरिज ब्यूरो चलाने वाली संध्या से उनका संपर्क कराया। ने चोरी हुए बच्चे का पहले व्हाट्सएप के माध्यम से फोटो मंगाया। इसके बाद पड़ोसी के बच्चे का अपहरण किया।

### निसंतान दंपति से किया बच्चे का सौदा

महिलाओं ने अपने संपर्क वालों को फोनकर बच्चा होने की जानकारी दी। इसके बाद मुरादाबाद स्थित प्राइवेट अस्पताल की नर्स के माध्यम से दंपती से बच्चे का सौदा ढाई लाख में तय हुआ। दोनों बच्चे के अपहरण कर ले जाने लगे। इस दौरान बच्चा खरीदने वाले दंपती ने कुछ और दिन रुकने को कहा। इसके बाद महिलाओं ने फिर से बच्चे होने की जानकारी संपर्क वालों को भेजी। महिलाओं से अमरोहा में रहने वाले निसंतान दंपति ने डेढ़ लाख में सौदा तय किया लेकिन बच्चे को बेचने से पहले ही पुलिस ने आरोपियों से बच्चा बरामद कर लिया।

**जल प्रलय की विभीषिका**

**विकास की होड़ में प्रकृति का संतुलन बिगड़ा, जल प्रलय ने सबकुछ बदल दिया**

# धराली गांव की तबाही की सेटेलाइट तस्वीरें आईं सामने

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**उत्तरकाशी/देहरादून।** उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित धराली गांव में हालिया जल प्रलय की विभीषिका को अब सेटेलाइट इमेज के माध्यम से स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। दो उपग्रह चित्र–एक 13 जून 2024 का और दूसरा 7 अगस्त 2025 सुबह 9:30 बजे का–प्रकृति के कहर और विकास के अनियंत्रित दोहन के बीच का भयावह अंतर बयां करते हैं।

पहली तस्वीर में धराली गांव खीर गंगा और भागीरथी नदियों के बीच हरे-भरे

» धाराली में तबाही सेटेलाइट इमेज से स्पष्ट रूप से देखा जा सकता

» पहली इमेज में सुंदर भवन, विकास तो दूसरी में दिख रहा मलबा

इलाके, सुंदर भवनों और व्यवस्थित विकास की झलक देता है। वहीं दूसरी तस्वीर में केवल मलबे का अम्बार, नदी की बदली धारा और तबाही के निशान ही नजर आते हैं। धराली गांव समुद्र तल से लगभग 8,000 फीट की ऊंचाई पर हर्षिल घाटी में स्थित एक ऐतिहासिक व धार्मिक महत्व का क्षेत्र है। छोटी-सी जनसंख्या वाले इस गांव में पिछले वर्षों में पर्यटन के चलते बहुमंजिला होटलों और होमस्टे का विस्तार हुआ लेकिन प्रकृति के इस संवेदनशील क्षेत्र में अनियोजित निर्माण, पेड़ों की कटाई और भूमि के अंधाधुंध दोहन ने पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर कर दिया। पर्यावरण विशेषज्ञ वर्षों से चेतावनी देते रहे कि हिमालय जैसे संवेदनशील क्षेत्र में यदि संतुलन नहीं रखा गया, तो परिणाम विनाशकारी होंगे। और अब वही चेतावनी धराली की त्रासदी में सच होती दिख रही है।

### विकास बनाम विनाश

विशेषज्ञों का कहना है कि यह केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि मानवजनित आपदा है। विकास की अंधी दौड़ में हम यह भूल जाते हैं कि हिमालय केवल पर्वत नहीं, एक जीवित पारिस्थितिक तंत्र है, जिसे सहने की भी एक सीमा है। धराली गांव की तबाही हमें चेतावनी देती है कि अगर हम नहीं सुधरे, तो प्रकृति खुद संतुलन बनाएगी... और उसकी कीमत हम सभी को चुकानी पड़ेगी।

# स्कूल मर्ज करना इलाज नहीं बीमार व्यवस्था की जांच ज़रूरी है

शिवांक अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

**» छात्रों की गिरती संख्या पर गहन चिंतन, लेकिन असली वजह से मुंह मोड़ रही सरकार**

**» टीचरों की लापरवाही से टूटा भरोसा, परंतु सरकार कर रही स्कूलों का विलय**

**कानपुर।** उत्तर प्रदेश के प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों की संख्या में आई तेज गिरावट का जिम्मा सरकार कभी जनसंख्या दर, कभी जागरूकता की कमी और कभी संसाधनों के अभाव पर डालती रही है। लेकिन ज़मीनी सच्चाई यह है कि कई विद्यालयों में शिक्षक ही पढ़ाई के बजाय निजी कार्यों में लिप्त पाए गए हैं। महिलाओं द्वारा स्कूल समय में क्लास में ही स्वेटर बुनना, मोबाइल चलाना या स्कूल परिसर में घरेलू बातचीत में मशगूल रहना आम हो गया है। पुरुष शिक्षक भी समय पर स्कूल नहीं पहुंचते या कक्षा में सोते हुए कैमरे में कैद हो चुके हैं।

ऐसे हालात में जब बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा नहीं मिलती, तो अभिभावक मजबूरी में या तो बच्चों को प्राइवेट स्कूल में भेजने को मजबूर होते हैं, या शिक्षा से ही विमुख हो जाते हैं। यही कारण है कि छात्र संख्या दिन ब दिन कम होती जा रही है।

**छात्र नहीं, दोषी शिक्षक हैं एक जांच दल बनाना समय की जरूरत**

शिक्षा विभाग की प्राथमिकता स्कूलों का मर्जर बन चुकी है, लेकिन असली वजह यानी शिक्षकों की गैर-जिम्मेदारी पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही। यदि सरकार वास्तव में सरकारी शिक्षा व्यवस्था को पुनर्जीवित करना चाहती है, तो उसे विद्यालयों में अचानक जांच करने वाले स्वतंत्र दलों का गठन करना होगा। ऐसे शिक्षक जो स्कूल को महज़ वेतन पाने की जगह समझते हैं, उन्हें तत्काल निलंबित किया जाना चाहिए।

ग्रामीण क्षेत्रों से प्राप्त साक्ष्यों में कई शिक्षक वर्षों से बिना पढ़ाए वेतन ले रहे हैं। समाजसेवियों और जागरूक नागरिकों का कहना है कि जब तक इन पर सख्त कार्यवाही नहीं होती, तब तक छात्रों को पढ़ने का माहौल नहीं मिलेगा और सरकारी शिक्षा प्रणाली यूँ ही दम तोड़ती रहेगी।

**सरकारी नीति बनाम ज़मीनी हकीकत अंतर साफ है**

वर्तमान में सरकार सर्व शिक्षा अभियान , समग्र शिक्षा अभियान और परिषदीय विद्यालयों के कायाकल्प जैसी योजनाओं पर करोड़ों खर्च कर रही है, लेकिन इनका प्रभाव तभी दिखेगा जब जमीनी क्रियान्वयन ईमानदारी से हो। अगर शिक्षक कक्षा में बच्चों

को छोड़कर व्यक्तिगत कामों में लगे रहेंगे, तो सरकारी नीतियां केवल कागज़ों पर सजी रहेंगी।अभिभावकों का भरोसा दोबारा जीतने के लिए केवल रंगाई-पुताई, स्मार्ट क्लास या मिड-डे मील नहीं, बल्कि ईमानदार और उत्तरदायी शिक्षक व्यवस्था चाहिए। शिक्षकों की जवाबदेही तय किए बिना सरकारी स्कूलों में छात्रों की वापसी की उम्मीद करना खुद को धोखा देने जैसा है।

# आईजीआरएस: 20 सबसे खराब निस्तारण आख्या की होगी समीक्षा

**» आईजीआरएस शिकायत के प्रति लापरवाहों पर कार्रवाई की तैयारी**

**प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

**कानपुर।** आईजीआरएस में आने वाली शिकायतों को गंभीरता से न लेने वाले अफसरों पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। रैंक में सुधार न होने पर आलाधिकारी ने इसकी समीक्षा शुरू कर दी है। 20 ऐसी निस्तारण आख्या जो कि सबसे अधिक खराब-बोगस है या उसकी रिपोर्ट खराब लगाई गई है उसकी समीक्षा कर संबंधित विभाग के अफसर से जवाब मांगा जाएगा।एडीएम सिटी डॉक्टर राजेश कुमार ने बताया कि आईजीआरएस में आने वाली शिकायतों के प्रति प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है। कुछ विभाग इस ओर गंभीर नहीं है। अब बीस ऐसी शिकायतों को लिया गया है जिसकी निस्तारण आख्या खराब है। इस संबंध में विभाग के अफसरों से जवाब तलब किया जाएगा।पिछले छह महीनों से गिर रही आईजीआरएस रैंक में सुधार की कवायद प्रशासन ने शुरू की है। शिकायतों के निस्तारण में निगेटिव फीडबैक आने से रैंकिंग डगमगा रही है। प्रशासनिक अफसर अब उन निगेटिव फीडबैक या शिकायतों के निस्तारण की आख्या को देखेंगे जो कि काफी खराब है या ऐसी आख्या लगाई जिसका कोई लेनादेना ही नहीं।

बीस ऐसी आख्या को निकाला जा रहा है, जो सबसे खराब है। इन शिकायतों के निस्तारण के आख्या की समीक्षा की जाएगी।

**जुलाई में सुधरी थी जिले की रैंक**

जुलाई में आईजीआरएस रैंकिंग में जिले ने सुधार करते हुए सात पायदान की उछाल मारी। इस दफा 75 जिलों में कानपुर 58 रैंक पर है। 140 में 110 अंक और 78.57 प्रतिशत मिले हैं। पिछले छह महीनों से गिर रही आईजीआरएस रैंक पर विभाग ने सख्त कार्रवाई शुरू की है। इस दफा सुधरी रैंक के बाद अफसरों को हिदायत दी गई है कि लापरवाही न करें और रैंक में सुधार की आवश्यक कार्रवाई करते रहें। 129 डिफाल्टर होने पर संबंधित विभाग को भी नोटिस जारी किया जाएगा।

# अखिलेश दुबे की 'लंका' में अखिल कुमार का डंका

**भ्रष्ट गठजोड़, फर्जी मुकदमे और वसूली के खेल में दरार, एसआईटी की जांच में कई चौंकाने वाले खुलासे**

**मुख्य संवाददाता / स्वराज इंडिया**

**कानपुर। कभी कानपुर में दबंगई और रसूख का पर्याय समझे जाने वाले अखिलेश दुबे के साम्राज्य में अब पुलिस का बुलंद डंका गूंज रहा है। भाजपा नेता रवि सतीजा द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के बाद गिरफ़्तारी और न्यायिक हिरासत में भेजे गए अखिलेश दुबे के खिलाफ धीरे-धीरे परतें खुल रही हैं, और पुलिस जांच में अब कई सफेदपोश और विभागीय अधिकारी भी राडार पर आ चुके हैं।**

पुलिस गिरफ्त में अधिवक्ता अखिलेश दुबे

30 वर्षों से भी अधिक समय तक कानपुर में सत्ता, साठगांठ और धमक के ताने-बाने से बुना गया यह दबंग तंत्र अब पुलिस की एसआईटी के निशाने पर है। सूत्रों की मानें तो जल्द ही और एफआईआर दर्ज हो सकती हैं, जिससे दुबे के साथ-साथ उसके सहयोगियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

### शुरुआत कानूनी सलाह से, अंत दबंगई और वसूली तक

पुलिस सूत्रों के अनुसार, अखिलेश दुबे ने कभी कानूनी सलाहकार की भूमिका से अपने नेटवर्क की शुरुआत की थी, जो आगे चलकर जमीनों पर कब्जा, फर्जी मुकदमेबाजी और संगठित वसूली में तब्दील हो गई। सिविल लाइंस की एक बहुचर्चित भूमि विवाद से लेकर साकेत नगर के होटल मालिक द्वारा लगाए गए 2.5 करोड़ की वसूली के आरोप तक, सभी मामलों में एक जैसी कार्यशैली सामने आ रही है।

एसआईटी जांच में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि अखिलेश दुबे और उसके नेटवर्क ने कई बार फर्जी पाक्सो और रेप केस दर्ज करवा कर लोगों से वसूली की। रवि सतीजा ने भी इसी तरह के एक प्रयास का आरोप लगाया है।

सूत्र बताते हैं कि मिश्रिख सांसद अशोक रावत द्वारा पुलिस कमिश्नर को लिखे गए पत्र के बाद एसआईटी गठित हुई। जांच में अब तक 54 मामलों में 8-9 मामलों में अखिलेश की संलिप्तता सामने आई है। इनमें अधिकांश पीड़िताएं उस्मानपुर बस्ती से संबंधित हैं, जिनका मूल निवास बिहार-झारखंड है।

इतना ही नहीं, तीन महिलाएं ऐसी पाई गईं जिन्होंने एक से अधिक बार एफआईआर दर्ज कराई, लेकिन पुलिस पूछताछ में आगे आने से बचती रहीं। ऐसे मामलों में यह संदेह प्रबल हो रहा है कि इन महिलाओं का इस्तेमाल किसी संगठित तंत्र के तहत किया गया हो।

### संपर्कों के सहारे पनपा साम्राज्य, अब मददगारों पर भी शिकंजा

अखिलेश दुबे का नेटवर्क केवल बाहरी नहीं, प्रशासन और पुलिस विभाग के भीतर भी मजबूत था। रवि सतीजा द्वारा लगाए गए आरोपों में एक पूर्व इंस्पेक्टर का भी जिक्र है, जो सतीजा को समझौते के लिए दुबे के ऑफिस ले गया। यह अधिकारी कमिश्नर कार्यालय से संबद्ध एक प्रकोष्ठ का प्रभारी था।

सवाल उठता है कि जब कठोर और ईमानदार छवि वाले पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार के कार्यालय में भी ऐसा अधिकारी तैनात था, तो शहर के अन्य हिस्सों में अखिलेश के प्रभाव की गहराई का अंदाज़ा सहज ही लगाया जा सकता है।

### ...और यह तो सिर्फ शुरुआत है

जांच एजेंसियों को भरोसा है कि अखिलेश की गिरफ़्तारी केवल शुरुआत है। जैसे-जैसे पीड़ितों को न्याय की उम्मीद जगेगी, और नाम सामने आएंगे, वैसे-वैसे पूरा नेटवर्क उजागर होगा।

**प्रशासनिक गलियारों में हलचल है,** सहयोगियों और साठगांठियों में बेचैनी है, और पुलिस विभाग के सामने अब केवल आरोपी नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की सफाई की चुनौती है। यह सिर्फ एक एफआईआर नहीं, एक नजीर है — जो यह बताती है कि सत्ता, डर और संपर्क से खड़ा किया गया कोई भी गैरकानूनी साम्राज्य अंततः कानून के आगे टिक नहीं सकता।

# बिल्हौर नगर पालिका विस्तार की कार्रवाई तेज

# नक्शे में जुड़ने लगे गांव

## प्रशासनिक मशीनरी की सक्रियता जल्द खिलाएगी कोई नया गुल

» रिजवान कुरैशी, स्वराज इंडिया

**बिल्हौर (कानपुर)।** बिल्हौर नगर पालिका अब अपने पुराने दायरे को पीछे छोड़ विस्तार की ओर तेज कदम बढ़ा रही है। वर्षों से चली आ रही चर्चाएं अब अमल की दिशा में साफदिख रही हैं। नजरी नक्शा शासन को भेजा जा चुका है और जमीनी सर्वे कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। तहसील प्रशासन की टीमों द्वारा किए जा रहे सर्वे में जिन गांवों को नगर पालिका क्षेत्र में शामिल करने की कार्यवाही चल रही है, उनमें सुभानपुर, मुरादनगर, रहमतपुर और बिल्हौर देहात प्रमुख रूप से शामिल हैं। इन गांवों को बिल्हौर टाउन के नक्शे में जोड़ने की कार्रवाई शुरू हो चुकी है और यह प्रक्रिया अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। सूत्रों के अनुसार विस्तारित क्षेत्र का नजरी नक्शा शासन को भेज दिया गया है और इस पर अंतिम निर्णय अगले कुछ महीनों में लिया जा सकता है। यदि सब कुछ निर्धारित कार्यक्रम के

अनुसार चलता है तो आने वाले समय में बिल्हौर एक बड़ा और राजनीतिक रूप से सशक्त नगर पालिका क्षेत्र के रूप में बनकर उभरेगा।

**कुछ महीनों में तस्वीर हो सकती है साफ :** राजनीतिक हलकों में इस प्रस्तावित विस्तार को लेकर सुगबुगाहट तेज है। कुछ इसे सत्ता पक्ष की रणनीति मान रहे हैं, तो कुछ इसे जनहित में उठाया गया कदम बता रहे हैं। हालांकि प्रशासनिक स्तर पर इस प्रक्रिया को गंभीरता व पारदर्शिता से आगे बढ़ाया जा रहा है।

**राजनीतिक समीकरण बदलने की तैयारी में :** विशेषज्ञों का मानना है कि नगर पालिका क्षेत्र में गांवों के जुड़ने से न केवल शहरी सीमा और संसाधन बढ़ेंगे, बल्कि इसका सीधा असर वोट बैंक पर भी पड़ेगा।

कई स्थानीय नेताओं का कहना है कि इससे एक खास वर्ग को लाभ मिल सकता है, जिससे आगामी निकाय चुनावों में समीकरण पूरी तरह बदल सकते हैं।

# आयुर्वेदिक सेंटर में अब मिलेगा अनुभवी वैद्य का मार्गदर्शन

वैध एम एल वर्मा।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**बिल्हौर (कानपुर)।** आयुर्वेद चिकित्सा जगत में अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले 74 वर्षीय वरिष्ठ वैद्य एम.एल. वर्मा अब बिल्हौर आयुर्वेदिक हेल्थ सेंटर में सप्ताह में दो दिन अपनी सेवाएं देंगे। करीब 50 वर्षों से देश के अलग-अलग हिस्सों में लोगों की सेवा कर चुके वैद्य वर्मा का दावा है कि उन्होंने सैकड़ों ऐसे रोगियों का इलाज किया है, जिन्हें अन्य चिकित्सा पद्धतियों से लाभ नहीं मिला। स्वराज इंडिया न्यूज से बातचीत में वैद्य वर्मा ने कहा,आयुर्वेद केवल जड़ी-बूटी नहीं, यह हजारों वर्षों की विज्ञानसम्मत परंपरा है। जिस रोग का इलाज कहीं नहीं है। उसका समाधान आयुर्वेद में संभव है, बशर्ते सही विधि अपनाई जाए।उन्होंने यह भी बताया कि वे कई निःसंतान दंपतियों को संतान सुख दिला चुके हैं, और यह कार्य पूरी तरह आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों व पंचकर्म विधियों से किया गया।

# बीएलओ व पर्यवेक्षकों को दिया गया प्रशिक्षण

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**बिल्हौर (कानपुर)।** आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव-2026 को पारदर्शी एवं सफल ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशासनिक तैयारियों को गति दी जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को तहसील सभागार में बिल्हौर व ककवन क्षेत्र के बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम तीन पारियों में सम्पन्न हुआ, जिसमें उपस्थित कार्मिकों को मतदाता सूची में दर्ज नामों के सत्यापन, परिवर्धन, विलोपन व संशोधन की प्रक्रिया को शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित 'ई-बीएलओ' मोबाइल एप के माध्यम से डिजिटल आवेदन प्रक्रिया की भी विस्तार से जानकारी दी गई। बीएलओ को निर्देशित किया गया कि वे घर-घर जाकर मतदाता जानकारी एकत्र करें और निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य को पूर्ण करें।प्रशिक्षण सत्र में प्रभारी अधिकारी पंचायत निर्वाचन-2026 एवं नायब तहसीलदार श्री चंद्र प्रकाश राजपूत, दिव्या, खंड शिक्षा अधिकारी बिल्हौर श्री रवि कुमार तथा खंड शिक्षा अधिकारी ककवन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

**सफलता** सभी आरोपी फर्रुखाबाद जिले के रहने वाले, एक फरार

# अरौल पुलिस ने दबोचे अंतर्जनपदीय चोर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**बिल्हौर (कानपुर)।** अरौल पुलिस ने बंद घर में हुई बड़ी चोरी का खुलासा करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से चोरी गई बाइक और लाखों के जेवरात बरामद किए गए हैं। सभी आरोपी फर्रुखाबाद जिले के रहने वाले हैं और पूर्व में भी कई वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। घटना 28 जुलाई की है, जब अरौल थाना क्षेत्र के हसौली काजीगंज गांव में एक बंद घर को चोरों ने निशाना बनाया था। पीड़िता कामिनी, जो पति के निधन के बाद मायके नसिरापुर में रह रही हैं, ने घर से बाइक और कीमती जेवरात गायब होने की तहरीर दी थी।

अरौल थाना प्रभारी जनार्दन सिंह यादव ने बताया कि घटना की जांच के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने छापा मारकर तीन अभियुक्तों को धर दबोचा। गिरफ्तार युवकों में राकबगंज खुर्द का गोपाल सक्सेना (22), दुइया मोहल्ले का विशाल उर्फ मल्लू (19) और कादरीगेट के श्याम नगर निवासी जितेंद्र (30) शामिल हैं। गिरोह का सरगना जितेंद्र पहले से ही आधा दर्जन आपराधिक मामलों में वांछित रहा है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेज दिया है, जबकि गिरोह का एक और सदस्य अभी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस टीम लगातार दबिश दे रही है।

अरौल पुलिस की गिरफ्त में अंतर्जनपदीय चोर।

सम्पादकीय

# रिश्तों में खामोशी लीलती लाखों जिंदगी

विश्व स्वास्थ्य संगठन की वह रिपोर्ट चौंकाती है कि दुनिया में हर छठा इंसान अकेला है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवाद से विलग होकर नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। सही मायनों में इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां लील रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। निश्चय ही जीवन की जटिलताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है। सोच के भौतिकवादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन की ओर धकेल देती है। कहने को तो सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है। हो सकता है किसी व्यक्ति के हजारों मित्र सोशल मीडिया मंचों पर हों, लेकिन यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल एकाकी होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस-पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द-गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति एकांत में जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते। हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने-जुलने वाले त्योहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर मंथन करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार एकाकी होता जा रहा है।

विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। कालांतर व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। शहरों की महंगी जिंदगी और कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना संकट को गहरा बना रहा है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। धीरे-धीरे यह एकाकीपन अवसाद तक पहुंचता है।

# नैतिकता और अभिव्यक्ति की आज़ादी के यक्ष प्रश्न

क्षमा शर्मा

**देश के संविधान में अभिव्यक्ति की आजादी, नैतिकता और समता जैसे आदर्श सिद्धांत निहित हैं। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा व इनकी भावना के अनुसार, न्यायपालिका गंभीर मामलों को लेकर अपने निर्णय देती आयी है। खासकर व्याख्या के लिए अंतिम उम्मीद है। लेकिन अगर वही हमें अपने विचारों की अभिव्यक्ति पर खुद ताला लगाने को कह दे, तो सुरक्षा पाने कहां जाएं?**

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया बेहद दिलचस्प व्यक्ति हैं। सिर्फ़ इसलिए नहीं कि वे हिंदी फ़िल्म निर्देशक तिग्मांशु धूलिया के बड़े भाई हैं- जिन्होंने गैंग्स ऑफ़ वासेपुर, पान सिंह तोमर, साहिब बीवी और गैंगस्टर आदि फिल्में बनाई- बल्कि इसलिए कि उनमें आपको एक नेकनीयत गुस्सा दिख सकता है, जो उनके फ़ैसलों में झलकता है। जिनमें बुराई को सज़ा व अच्छाई को राहत मिलती दिखती है, या फिर, सबसे महत्वपूर्ण है अपनी पसंद-नापसंदगी की आजादी का विचार, जो संविधान में दिया मूलभूत अधिकार है, वह खामोशी से उनके फैसलों में खुद को दोहराता है।उन्हें नायक में तबदील किए जाने के खतरे के बावजूद, वे नायक बनने की काबिलियत रखते हैं। हम जैसे लोगों ने इस अप्रैल में उनके द्वारा मद्रास हाईकोर्ट के दिए एक फैसले को बरकरार रखने की सराहना की थी, जिसमें एक दुष्ट माता-पिता को अपनी ही बेटी-दामाद की हत्या के लिए दोषी ठहराया गया ('एक क्रूर और घिनौना जुम...'गहरे तक जड़ें जमाए जातिवाद की कुरूप सच्चाई')। अप्रैल में ही, धूलिया ने सवाल किया था कि महाराष्ट्र की एक नगरपालिका में उर्दू को लेकर इतना पूर्वाग्रह क्यों कायम है ('यह पूर्वाग्रह इस धारणा से उपजा कि उर्दू भारत में विदेशी है...यह सोच गलत है'); और 2022 में, उन्होंने कर्नाटक सरकार के उस फैसले के खिलाफ एक विभाजित फैसला दिया, जिसमें मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनने से रोक दिया गया था ('यह पसंद का मामला होना चाहिए...अंतरात्मा, आस्था एवं अभिव्यक्ति का मामला') वैसे सुप्रीम कोर्ट में अन्य 'सितारे' भी हैं - पिछले हफ्ते, हरियाणा के जस्टिस सूर्यकांत, जो जल्द अगले मुख्य न्यायाधीश बनने वाले हैं,उन्होंने देश के युवा दिलों को खुशी से भर दिया, जब अशोका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अली महमूदाबाद के मामले में हरियाणा के पुलिस कर्मियों को फटकार लगाई - पुलिस ने अली के सभी डिवाइस जब्त कर लिए थे और पिछले 10 वर्षों में उनकी विदेश यात्राओं का ब्योरा मांगते हुए, उनके कथित अपराध (ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग हेतु एक मुस्लिम महिला को प्रवक्ता चुनने पर सरकार को निशाना बनाती सोशल मीडिया पोस्ट्स) की जांच का दायरा बढ़ाने पर।ये वही जस्टिस सूर्यकांत हैं, जिन्होंने मार्च में कॉमेडियन रणवीर अल्लाहबादिया मामले में नाना विशेषण ('घृणित' और 'अपमानजनक') दिए थे, जब रणवीर ने मां-बाप को लेकर भौंडा मज़ाक किया था। तब, जस्टिस सूर्यकांत ने अभिव्यक्ति की आज़ादी और अश्लीलता के बीच सदा एक रेखा कायम रखने की नसीहत दी थी। मई में कहा कि सोशल मीडिया का उपयोग करने में दिशा-निर्देश ज़रूरी हैं। निश्चित रूप से, हमारे संस्थापक पुरखों ने युगों-युगों तक रहने वाली इस दुविधा के बारे में सोचा होगा। इसलिए उन्होंने अनुच्छेद 19 (1) में दी गई अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी पर कुछ अंकुश लगाते हुए, फौरन अगले अनुच्छेद 19 (2) में कहा कि अभिव्यक्ति की आजादी संपूर्ण नहीं, और भारत की संप्रभुता एवं अखंडता, जन व्यवस्था या नैतिकता के हित में इस पर उचित अंकुश होने चाहिए।अंतिम वाक्यांश के बारे में, सवाल है कि क्या सर्वोच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश की नैतिकता की धारणा आम नागरिक की शालीनता से ज्यादा अहमियत रखती है और इन दोनों पर आखिरी फ़ैसला कौन लेगा। अक्सर, समुदायों के रीति-रिवाज या चाल-चलन क़ानून की किताबों से बहुत ऊपर होते हैं।

# आत्मीय संवाद से रिश्तों की गरिमा की रक्षा

विकृतियों का क्रास

डा0 जगदीप सिंह

**आज यदि पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में हिंसक प्रवृत्तियां विकसित हो रही हैं तो कहीं न कहीं संवादहीनता उसके मूल में है। एक-दूसरे के मनोभावों को समझकर और संवेदनशीलता के साथ टकराव को टाला जा सकता है।भारतीय समाज में सामंती सोच खत्म नहीं हुई है – इसका एक उदाहरण हाल ही में गुरुग्राम में देखने को मिला। दस जुलाई को एक राज्यस्तरीय टेनिस खिलाड़ी बेटी की उसके ही पिता ने गुस्से में आकर गोली मारकर हत्या कर दी। कारण? बेटी की कमाई पर आश्रित रहने वाले पिता को यह ताना सुनना पड़ता था कि वह अपनी बेटी से कमाकर खा रहा है।**

पिता के अनुसार, आस-पड़ोस के लोग उसे ताना देते थे कि वह बेटी से एकेडमी बंद नहीं करवा सका। इसी कुंठा और सामाजिक दबाव में उसने अपनी ही संतान की जान ले ली।किताबों में यह सच पढ़ाया जाता है कि माता-पिता अपने बच्चों को आगे बढ़ते देखना चाहते हैं। बच्चों की हर उपलब्धि मां-बाप के लिए गर्व का विषय होती है। मगर यहां स्थिति उलट है—बेटी ने न केवल अपने पिता के सपनों को साकार करते हुए एक सफल टेनिस खिलाड़ी के रूप में पहचान बनाई, बल्कि आगे चलकर एक टेनिस अकादमी भी शुरू की। यही सफलता उसके लिए काल बन गई, क्योंकि पिता और आस-पड़ोस की दकियानूसी सोच उसकी राह का रोड़ा बन गई।यह केवल एक रिश्ते की हत्या नहीं है। आज के समय में पति-पत्नी, मां-बच्चे, गुरु-शिष्य जैसे रिश्तों के बीच की संवेदनशीलता और आत्मीयता भी कमजोर पड़ती जा रही है—वहीं आत्मा से उपजे आदर्शों की वह धरती, जहां संबंधों के फूल खिला करते थे, अब मुरझा रही है।

हम जिस समाज की कल्पना करते हैं—जहां रिश्ते स्नेह, सम्मान और सहयोग की बुनियाद पर टिके होते हैं — वहां आज नफरत, ईर्ष्या और अपूर्ण आकांक्षाओं की घातक छाया फैलती जा रही है।आज की भौतिकतावादी दौड़ ने समाज में ऐसी विकृत मूल्य प्रणाली को जन्म दिया है, जिसमें व्यक्ति किसी भी कीमत पर आगे बढ़ना चाहता है—चाहे वह नैतिकता की हत्या करके ही क्यों न हो। अपनी छवि को %पाक-साफ% बनाए रखने की होड़ और दूसरों की सफलता से उपजी ईर्ष्या ने इंसानी सोच को इतना विषाक्त कर दिया है कि रिश्तों और जिम्मेदारियों की गरिमा ही नष्ट होती जा रही है।अगर गुरुग्राम में एक पिता अपनी ही बेटी की सफलता से जलकर उसे गोली मार देता है, तो वहीं एक कस्बाई शहर में एक स्कूल प्राचार्य को इसलिए गोली मार दी जाती है क्योंकि वह छात्रों को अनुशासन का पाठ पढ़ा रहा था — उन्हें सही ढंग से कपड़े पहनने, बाल संवारने और नशे से दूर रहने की सलाह दे रहा था।यह उदाहरण दर्शाते हैं कि कैसे विकृत मूल्यों की बलि वेदी पर आज न जाने कितने रिश्ते, आदर्श और जीवन मूल्य रोज़ कुर्बान हो रहे हैं। माहौल में एक अजीब किस्म की हिंसा और असहिष्णुता घर कर गई है। समाज जैसे संवेदना-विहीन होता जा रहा है —जहां न शिक्षा का सम्मान है, न रिश्तों की पवित्रता की कोई जगह बची है।

# भाजपा नेता के लिए भी तैयार किया गया था जालसाज पीड़िता का स्क्रिप्टेड प्लान

» स्वराज इंडिया ने महिनों पहले फर्जी मुकदमे से वसूली तक की कार्यशैली की थी उजागर

» सांसद अशोक रावत ने कमिश्नर को दी थी शिकायत, जिक्र था स्वराज इंडिया की खबर का

**प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

**कानपुर।** जिस 'जालसाज पीड़िता गैंग' के तौर-तरीकों का खुलासा स्वराज इंडिया ने महीनों पहले अपनी विस्तृत रिपोर्ट में किया था, उसी की तर्ज पर कानपुर में अधिवक्ता अखिलेश दुबे की गिरफ्तारी हुई है। पुलिस के मुताबिक, दुबे पर आरोप है कि उन्होंने एक नाबालिग को मोहरा बनाकर भाजपा नेता रवि सतीजा के खिलाफ फर्जी पोक्सो केस दर्ज कराने की साजिश रची और 50 लाख रुपये की वसूली की मांग की। यह वही पैटर्न है, जिसे हमारी रिपोर्ट में विस्तार से बताया गया था सोशल मीडिया पर टारगेट चुनना,

नजदीकियां बढ़ाना और फिर फंसाकर मोटी रकम की मांग करना।

**शिकायत से गिरफ्तारी तक- स्वराज इंडिया रिपोर्ट की अहम कड़ी**

उत्तर प्रदेश की मिश्रिख लोकसभा सीट से सांसद अशोक रावत ने कुछ समय पहले कानपुर पुलिस कमिश्नर से हुई

बातचीत में स्वराज इंडिया की उस रिपोर्ट का जिक्र एक प्रार्थना पत्र दिया था, जिसमें बताया गया था कि किस तरह संगठित गिरोह महिलाओं और नाबालिग लड़कियों का इस्तेमाल कर झूठे मुकदमे दर्ज कराकर वसूली करते हैं।

भाजपा नेता को टारगेट बनाए जाने के आरोप ने एक बार फिर इस गैंग के तरीके को साबित कर दिया है। ऑपरेशन महाकाल के तहत पुलिस ने अधिवक्ता अखिलेश दुबे को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

# छात्राओं ने थाना प्रभारी को बांधा रक्षासूत्र, पुलिस ने बच्चों को बांटी मिठाई,मित्रता का दिया संदेश

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

**कानपुर।** महाराजपुर में सुरजन सिंह इंटर कॉलेज की छात्राओं ने रक्षाबंधन के मौके पर थाना प्रभारी सहित पूरे पुलिस स्टाफ को राखी बांधी। इस दौरान पुलिस ने भी बच्चों को मिठाइयां देकर मित्र पुलिस का संदेश दिया।

कानपुर में थाना महाराजपुर क्षेत्र के महाराजपुर कस्बे में स्थित सुरजन सिंह इंटर कॉलेज की छात्राओं ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर थाना निरीक्षक संजय पांडेय और समस्त पुलिस स्टॉफ को सनातन परंपरा के अनुसार टीका लगाकर रक्षासूत्र बांधा। इस दौरान भाई बहन के पवित्र रिश्ते को निभाते हुए रक्षाबंधन का पर्व पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया।

छात्राओं के इस स्नेह और सम्मान से अभिभूत होकर थाना प्रभारी ने बच्चों को मिठाइयां और चॉकलेट वितरित कर अपना स्नेह और दुलार लुटाया। साथ ही, बच्चों के मन से पुलिस के प्रति भय को मिटाते हुए मित्र पुलिस का संदेश स्थापित किया। इस अवसर पर थाना परिसर में एक पारिवारिक और भावनात्मक वातावरण बना, जिसमें स्नेह का सुंदर संगम देखने को मिला।

अथक प्रयास

ऑपरेशन सतर्क में बड़ी कामयाबी

# जीआरपी-आरपीएफ ने गांजा तस्कर को दबोचा

**स्वराज इंडिया संवाददाता**

**कानपुर। सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन सतर्क के तहत जीआरपी और आरपीएफ को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने एक गांजा तस्कर को दबोच लिया। जानकारी के मुताबिक, पुलिस टीम प्लेटफॉर्म नंबर-10 के दिल्ली छोर की ओर हैरिसगंज ब्रिज के पास गश्त कर रही थी। इस दौरान टीम ने रेलवे लाइन के किनारे लगभग 100 मीटर आगे एक युवक को संदिग्ध अवस्था में दो पिट्ठू बैग के साथ जाते हुए देखा। शक होने पर उसे रुकने का इशारा किया गया, लेकिन वह घबराकर इधर-उधर टालमटोल करने लगा।**

पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की, लेकिन वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

इसके बाद दोनों बैग की तलाशी ली गई, जिसमें कुल 8 किलो 207 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1.5 लाख रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान किशन चतुर्वेदी (उम्र 26 वर्ष), निवासी मोहल्ला काजी पूर्वी, थाना करहल, जिला मैनपुरी (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है।

जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने आरोपी को मौके पर ही हिरासत में लेकर कानपुर सेंट्रल थाने पहुंचाया, जहां NDPS एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई पूरी कर आरोपी को जेल भेज दिया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऑपरेशन सतर्क के तहत स्टेशन और आसपास के इलाकों में लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, ताकि मादक पदार्थों की तस्करी, चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर सख्त नियंत्रण रखा जा सके।

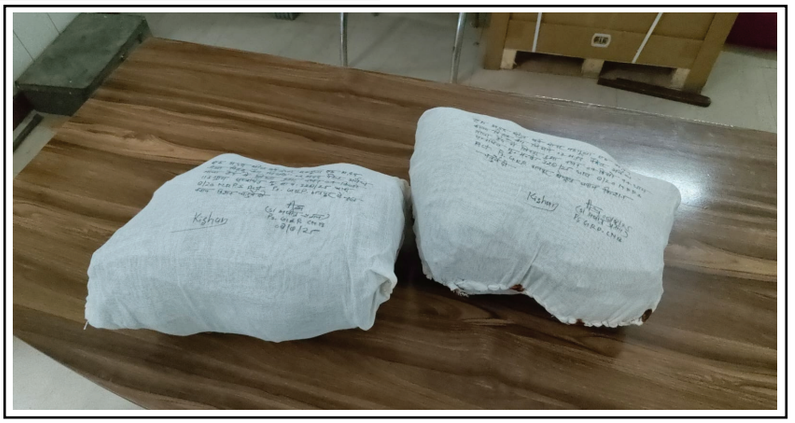

# रूरा: रेल पटरी पर मिला युवक का खून से लतपथ शव

» पतारा स्टेशन के पास सुबह ट्रैक पर पड़ा मिला शव, परिजनों में मचा कोहराम

» कानपुर में करता था नौकरी, ट्रेन से रोजाना करता था आवाजाही

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के दिल्ली-हावड़ा रेल मार्ग पर पतरा स्टेशन के पास शुक्रवार सुबह एक युवक का खून से लथपथ शव मिलने से हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। शिनाख्त होते ही परिजनों के रोने-बिलखने से गांव में कोहराम मच गया।

घटना सुबह डाउन ट्रैक के खंभा नंबर 1056/10 के पास सामने आई, जब ट्रैकमैन राजेश कुमार ने पटरियों पर शव देखकर स्टेशन मास्टर को सूचना दी। स्टेशन से मेमो





मिलने पर रूरा थाने के एसआई दयानंद झा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। गांव माझा पूरवा निवासी अंशू यादव ने मृतक की पहचान अपने भाई 27 वर्षीय सिंकू उर्फ छोटू के रूप में की। मृतक के परिजनों के अनुसार वह कानपुर में प्राइवेट नौकरी करता था और रोजाना पैसेंजर ट्रेन से आता-जाता था। गुरुवार रात उसके घर न लौटने पर परिवारजन उसकी तलाश कर रहे थे। मौत की खबर मिलते ही मां कुसमा बदहवास हो गई, जबकि भाइयों अभिषेक, रिंकू और बहन दिव्याशी का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस का कहना है कि युवक की मौत ट्रेन की चपेट में आने से हुई होने की आशंका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और आगे की जांच के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आएगी।

# नियम विरुद्ध आवास में दोषी कनिष्ठ सहायक अब तक नहीं वसूली

» पति-पत्नी को नियम विरुद्ध आवास, अधिकारी लापरवाही में बेखौफ

## ग्राम विकास अधिकारी से वसूली हुई, कनिष्ठ सहायक और लाभार्थियों पर कार्रवाई शून्य

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर देहात। उच्चीकृत आवास योजना में नियम विरुद्ध तरीके से पति-पत्नी को आवास का लाभ दिलाने का मामला एक बार फिर अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल खड़ा कर रहा है। ग्राम विकास अधिकारी से 60 हजार रुपये की वसूली तो कर ली गई, लेकिन एक साल बीत जाने के बाद भी तत्कालीन कनिष्ठ सहायक से रकम वसूल नहीं की गई। वहीं, फर्जी तरीके से आवास पाने वाले पति-पत्नी पर आज तक कोई कार्रवाई न होना हैरानी पैदा करता है।

मामला विकास खंड डेरापुर की ग्राम पंचायत मझगवां के ग्राम मिर्जापुर खुर्द का है। यहां के राजेन्द्र सिंह और उनकी पत्नी ने तथ्यों को छुपाकर अलग-अलग आवास (कालोनी) का लाभ ले लिया। शिकायतें मिलने और जांच टीम के दोषी मानने के बाद तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी रवि कुमार शुक्ला और पटल सहायक शैलेश कुमार गुप्ता को

जिम्मेदार पाया गया। लेकिन, हैरानी की बात यह है कि सरकारी धन के गबन में शामिल लाभार्थी पति-पत्नी के खिलाफ अब तक



प्रेषक
खण्ड विकास अधिकारी
डेरापुर कानपुर देहात

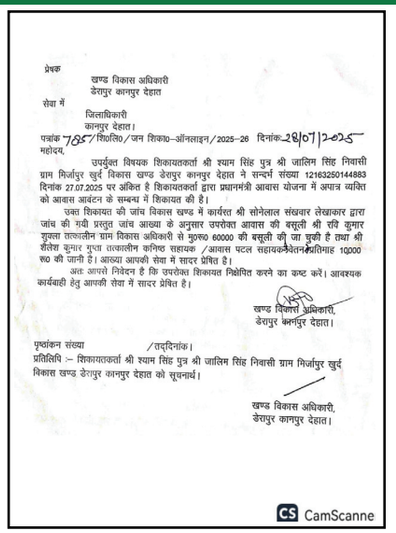

सेवा में
जिलाधिकारी
कानपुर देहात।

पत्रांक 785/शि0लि0/जन शिका0-ऑनलाइन/2025-26 दिनांकः 28/07/2025

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शिकायतकर्ता श्री श्याम सिंह पुत्र श्री जालिम सिंह निवासी ग्राम मिर्जापुर खुर्द विकास खण्ड डेरापुर कानपुर देहात ने सन्दर्भ संख्या 12163250144883 दिनांक 27.07.2025 पर अंकित है शिकायतकर्ता द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना में अपात्र व्यक्ति को आवास आवंटन के सम्बन्ध में शिकायत की है।

उक्त शिकायत की जांच विकास खण्ड में कार्यरत श्री सोनेलाल संखवार लेखाकार द्वारा जांच की गयी प्रस्तुत जांच आख्या के अनुसार उपरोक्त आवास की बसूली श्री रवि कुमार शुक्ला तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी से मु0रू0 60000 की बसूली की जा चुकी है तथा श्री शैलेश कुमार गुप्ता तत्कालीन कनिष्ठ सहायक /आवास पटल सहायक (वेतन) प्रतिमाह 10,000 रू0 की जानी है। आख्या आपकी सेवा में सादर प्रेषित है।

अतः आपसे निवेदन है कि उपरोक्त शिकायत निक्षेपित करने का कष्ट करें। आवश्यक कार्यवाही हेतु आपकी सेवा में सादर प्रेषित है।

खण्ड विकास अधिकारी,
डेरापुर कानपुर देहात।

पृष्ठांकन संख्या /तद्दिनांक।

प्रतिलिपि :- शिकायतकर्ता श्री श्याम सिंह पुत्र श्री जालिम सिंह निवासी ग्राम मिर्जापुर खुर्द विकास खण्ड डेरापुर कानपुर देहात को सूचनार्थ।

खण्ड विकास अधिकारी,
डेरापुर कानपुर देहात।

CamScanner

कोई कदम नहीं उठाया गया।

### अवैध कब्जों के पीछे मिला सुरक्षा कवच

हाल में हुई शिकायत की जांच रिपोर्ट में साफ लिखा गया कि ग्राम विकास अधिकारी से 60 हजार रुपये की वसूली की जा चुकी है, लेकिन कनिष्ठ सहायक से अब तक एक रुपया भी नहीं वसूला गया। यही नहीं, राजेन्द्र सिंह और उनकी पत्नी के खिलाफ

कार्रवाई न होने से उनके हौसले इतने बुलंद हैं कि वे ग्राम सभा की अधिकतर जमीनों पर अवैध कब्जा जमाए हुए हैं। गांव के लोग खुलकर बोलने से डरते हैं, और बताया जाता है कि स्थानीय लेखपाल भी उनके प्रभाव में है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

# सुनसान घर में सेंध, जेवर व बंदूक पर हाथ साफ

**» पुखरायां कस्बे में दिनदहाड़े चोरी, चोरों ने दो नाली बंदूक भी उड़ाई**

**भोगनीपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की तलाश**

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के पुखरायां कस्बे में दिनदहाड़े चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। दीनदयाल नगर निवासी हिमांशु मिश्रा के सुनसान घर में घुसकर चोरों ने चांदी के जेवर और दो नाली बंदूक पर हाथ साफ कर दिया। वारदात के समय घर के सभी सदस्य बाहर थे, जिसका फायदा उठाकर अज्ञात चोरों ने ताले तोड़ दिए और कीमती सामान समेट ले गए।हिमांशु मिश्रा ने बताया कि वह बाजार गए थे, जबकि उनकी पत्नी और माताजी घर पर थीं। कुछ देर बाद दोनों मंदिर दर्शन को चली गईं। इसी दौरान चोर घर में घुसे और जेवर व बंदूक चोरी कर फरार हो गए। जब परिवार लौटा तो सामान बिखरा पड़ा था और चोरी का पता चला।

**पुलिस की कार्रवाई**

सूचना मिलते ही भोगनीपुर कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश के लिए टीम गठित की है। अधिकारियों का कहना है कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और जल्द ही चोर पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

# पीएम श्री स्कूल में तिरंगा और राखी का संगम

**» छात्राओं ने तिरंगा रंग की राखियां सजाकर मनाया भाई-बहन का पावन पर्व**

**विद्यालय परिसर तिरंगामय, शिक्षकों और छात्रों ने बढ़ाया उत्साह**

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

कानपुर देहात। पीएम श्री स्कूल, बढ़ापुर अकबरपुर में 2 से 15 अगस्त 2025 तक आयोजित हर घर तिरंगा उत्सव और रक्षाबंधन को उत्साह और देशभक्ति के रंग में मनाया गया। विद्यालय परिसर को तिरंगे के रंगों से सजाकर देशभक्ति की अनूठी झलक पेश की गई।

कार्यक्रम में छात्राओं ने तिरंगे रंग की खूबसूरत राखियां तैयार कीं और अपने भाइयों की कलाइयों को सजाकर भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का सम्मान किया। साथ ही, हर घर तिरंगा अभियान के तहत विद्यालय को पूरी तरह तिरंगामय रूप में सजाया गया, जिससे देशभक्ति का माहौल और गहरा हो गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक कंचन यादव, सुमन यादव, सुरेखा यादव, दिव्या सक्सेना, दिनेश चंद्र पाठक और उमा देवी मौजूद रहे और छात्रों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम ने एक साथ भाईचारे, एकता और देशभक्ति का संदेश दिया।

बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आघू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333

हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

हृदय विदारक

बाराबंकी में दर्दनाक हादसा

# तेज बारिश में पेड़ गिरने से रोडवेज बस दुर्घटनाग्रस्त, 5 यात्रियों की मौत

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**
बाराबंकी। जिले में गुरुवार रात मूसलाधार बारिश के बीच एक दर्दनाक हादसा हो गया। हरख चौराहे के पास राजा बाजार में बाराबंकी से हैदरगढ़ जा रही अनुबंधित रोडवेज बस पर अचानक एक विशाल पेड़ आ गिरा। हादसा इतना भयावह था कि बस की छत चकनाचूर हो गई और उसके नीचे दबकर 5 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

बारिश के चलते ज़मीन गीली हो चुकी थी और माना जा रहा है कि पेड़ की जड़ें कमजोर हो जाने के कारण वह गिरा। हादसे के समय बस पूरी रफ्तार में थी और यात्री इसमें बैठे हुए थे। पेड़ गिरते ही चीख-पुकार मच गई।

स्थानीय लोग और प्रशासन की टीम तुरंत हरकत में आई। राहत और बचाव कार्य तेजी से शुरू किया गया।

घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और मृतकों की शिनाख्त की प्रक्रिया जारी है।सीएमओ ने पुष्टि की है कि मृतकों की संख्या अब तक 5 पहुंच चुकी है। हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने और घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने का आश्वासन दिया है। यह हादसा एक बार फिर से नगर निकायों और वन विभाग की लापरवाही को उजागर करता है, जहां समय रहते कमजोर पेड़ों की छंटाई नहीं की जाती, जिससे बारिश के मौसम में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं।

## सवर्ण आर्मी ने रोहित द्विवेदी और शिवम यादव पर जानलेवा हमले के विरोध में की कड़ी कार्रवाई की मांग

» स्वामी प्रसाद मौर्य की रामचरितमानस विरोधी मानसिकता बर्दाश्त नहीं : सवर्ण आर्मी

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

रायबरेली। स्वामी प्रसाद मौर्य के समर्थकों द्वारा रोहित द्विवेदी और शिवम यादव पर कथित रूप से किए गए जानलेवा हमले के विरोध में सवर्ण आर्मी रायबरेली इकाई ने मोर्चा खोल दिया। संगठन की टीम ने स्थानीय थाना पहुँचकर हमलावरों के खिलाफ गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज करने की मांग करते हुए एक लिखित तहरीर सौंपी।सवर्ण आर्मी के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि यह हमला न केवल सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की साजिश है, बल्कि यह हिंदू धार्मिक मूल्यों और परंपराओं पर सीधा हमला है। संगठन ने स्पष्ट कहा कि श्रीरामचरितमानस जैसे सनातन धर्म के पवित्र ग्रंथों का अपमान करने वालों और उनके संरक्षण में हिंसा फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

टीम ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द से जल्द दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई नहीं की गई, तो सवर्ण आर्मी सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी।

स्थानीय पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर जांच शुरू करने की बात कही है। वहीं पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमलावरों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते कार्रवाई में देरी हो रही है।

इस पूरे घटनाक्रम ने जिले में राजनीतिक और सामाजिक तापमान को अचानक गर्मा दिया है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में कितना तत्पर और निष्पक्ष रवैया अपनाता है।

## बिना मान्यता वाले स्कूलों पर चलेगा बेसिक शिक्षा विभाग का डंडा

» 15 अगस्त तक मांगी गई रिपोर्ट

**प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया**

**लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग अब बिना मान्यता संचालित हो रहे विद्यालयों पर सख्त रुख अख्तियार करने जा रहा है। जहां एक ओर कम नामांकन वाले परिषदीय विद्यालयों के विलय (पेयरिंग) की प्रक्रिया तेज़ी से जारी है, वहीं दूसरी ओर बिना मान्यता चल रहे निजी स्कूलों के खिलाफ भी कार्रवाई का बिगुल बज चुका है।**

बेसिक शिक्षा निदेशक प्रताप सिंह बघेल ने सभी मंडलीय सहायक शिक्षा निदेशकों और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि 15 अगस्त तक अपने-अपने जिलों में संचालित अवैध विद्यालयों की सूची तैयार कर कार्रवाई की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से निदेशालय को भेजें।

अगर किसी जिले में बिना मान्यता के विद्यालय संचालित पाया गया, तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी बीएसए और खंड शिक्षा अधिकारी (ब्लॉक्ड) की होगी। बेसिक शिक्षा विभाग पहले ही 1 जुलाई को सभी जिलों को इस बाबत आदेश जारी कर चुका है, लेकिन अंबेडकरनगर, श्रावस्ती, बलरामपुर, रायबरेली, अयोध्या, सीतापुर, चित्रकूट, फिरोजाबाद, सिद्धार्थनगर, कौशांबी, फर्रुखाबाद, मिर्जापुर, पीलीभीत, उन्नाव, बिजनौर, संतकबीरनगर, झांसी, लखीमपुर खीरी, औरैया, मैनपुरी और फतेहपुर जैसे जिलों को छोड़कर अधिकांश जिलों ने अब तक कोई रिपोर्ट नहीं भेजी है। यह विभागीय स्तर पर गंभीर लापरवाही मानी जा रही है।

**क्या है अगला कदम?**

बेसिक शिक्षा विभाग ने दो टूक कहा है कि इस बार लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी जिलों को चेतावनी दी गई है कि वे समयसीमा के भीतर रिपोर्ट भेजें, अन्यथा प्रशासनिक कार्यवाही के लिए तैयार रहें।

बिना मान्यता स्कूलों पर कार्रवाई से न सिर्फ अवैध शिक्षा संस्थानों पर अंकुश लगेगा बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और मानकों को भी मजबूती मिलेगी।

# अयोध्या: जब किसानों की चीखों पर राजनीति ने डाला म्यूट बटन!

» जब कुर्सी सलामत थी तो क्यों नही सुनाई पड़ी किसानों की चीख?

» एयरपोर्ट की आंधी में उड़ गए कई गांव

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

अयोध्या। यह कहानी है सियासी इंसाफ की, जिसमें न्याय का तराजू तब तक टेढ़ा रहा, जब तक उसमें नेताओं की जमीन का पलड़ा नहीं गिरा। एयरपोर्ट की चमचमाती परियोजना की नींव, किसानों के आंसुओं और औने-पौने दाम पर छीनी गई जमीनों पर रखी गई। तब नेताओं के कानों में किसानों की चीख नहीं गूंजी लेकिन जैसे ही प्रस्तावित अयोध्या कैंट बाईपास/कार्ड लाइन (सलारपुर-मसौधा) ने नेताओं की या उनके करीबियों की जमीन को छुआ, सर्किल रेट बनाम मार्केट रेट का ज्ञान अचानक अवतरित हो गया।

**एयरपोर्ट विकास की आंधी या किसानों की बरबादी?**

धरमपुर, गंजा और कुशमाहा (कुट्टिया) — ये तीन गांव आज भी गवाही देते हैं कि कैसे किसानों को पुराने सर्किल रेट के चार गुना का लालच देकर जमीन लिखवाई गई।किसानों की मांग थी साहब, मार्केट रेट दीजिए, ताकि उजड़ने के बाद कहीं तो बसेरा हो सके। लेकिन जवाब में अफसर और नेता कहते थेइन तानों के बीच किसानों की पीढ़ियों की मेहनत की मिट्टी बिक गई। आज जब नई बाईपास लाइन घनी आबादी चीरती हुई निकल रही है और मामला नेताओं की 'अपनों वाली' जमीन से जुड़ा है, तो वही जुबानें बोल रही हैं अयोध्या का सर्किल रेट मार्केट रेट से बहुत कम है। इस रेट में 25 किलोमीटर दूर तक जमीन नहीं मिलेगी।कुर्सी छिन जाने के बाद अचानक सर्किल रेट का दर्द नेता जी के दिल में घर कर गया। सैकड़ों घर उजड़ने के खतरे में हैं। नगर निगम सीमा के इन गांवों में विरोध तेज है, क्योंकि मुआवजा ऐसा है कि उससे नई जमीन मिलना तो दूर, उजड़ने का जख्म भी नहीं भर सकता।

-इतने में तो चौक में प्लॉट ले लोगे।
-जो मिल रहा है ले लो, नहीं तो ये भी नहीं मिलेगा।卐
-दो-चार गांव वोट नहीं देंगे तो हमारा क्या बिगड़ जाएगा।

**"स्वराज इंडिया का सवाल"**

जब एयरपोर्ट के लिए किसानों की जमीनें लूटी जा रही थीं, तब नेताओं की अंतरात्मा सोई थी या विकास की चकाचौंध ने आंखें चौंधिया दी थीं?अब तो हाल यह है कुर्सी गई, किसानों की जमीन गई और रह गया सर्किल रेट का अफसोस।

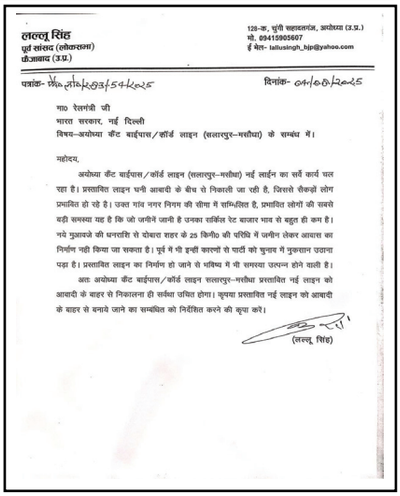



लल्लू सिंह
पूर्व सांसद (लोकसभा)
फैजाबाद (उ.प्र.)

128-क, चुंगी सहादतगंज, अयोध्या (उ.प्र.)
मो. 09415905607
ई मेल- lallusingh_bjp@yahoo.com

पत्रांक- [illegible]/2023/54/2025 दिनांक- 04/08/2025

मा0 रेलमंत्री जी
भारत सरकार, नई दिल्ली
विषय–अयोध्या कैंट बाईपास/कॉर्ड लाइन (सलारपुर–मसौधा) के सम्बंध में।

महोदय,

अयोध्या कैंट बाईपास/कॉर्ड लाइन (सलारपुर–मसौधा) नई लाईन का सर्वे कार्य चल रहा है। प्रस्तावित लाइन घनी आबादी के बीच से निकाली जा रही है, जिससे सैकड़ों लोग प्रभावित हो रहे है। उक्त गांव नगर निगम की सीमा में सम्मिलित है, प्रभावित लोगों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि जो जमीनें जानी है उनका सर्किल रेट बाजार भाव से बहुत ही कम है। नये मुआवजे की धनराशि से दोबारा शहर के 25 किमी0 की परिधि में जमीन लेकर आवास का निर्माण नही किया जा सकता है। पूर्व में भी इन्हीं कारणों से पार्टी को चुनाव में नुकसान उठाना पड़ा है। प्रस्तावित लाइन का निर्माण हो जाने से भविष्य में भी समस्या उत्पन्न होने वाली है।

अतः अयोध्या कैंट बाईपास/कॉर्ड लाइन सलारपुर–मसौधा प्रस्तावित नई लाइन को आवादी के बाहर से निकालना ही सर्वथा उचित होगा। कृपया प्रस्तावित नई लाइन को आबादी के बाहर से बनाये जाने का सम्बंधित को निर्देशित करने की कृपा करें।

(लल्लू सिंह)

# कार से बकरी चुराने वाले गिरोह का खेल खत्म

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

अयोध्या।मऊ घनश्यामपुर बांसगांव में शनिवार को बकरी चोरी की वारदात ने फिल्मी मोड़ ले लिया। मोहम्मद सिराज की तीन बकरियाँ कार सवार चोरों ने मुंह बांधकर कार में रख लीं और फरार हो गए। सिराज की दुकान पर उस समय उसकी बेटी ग्राहकों को सामान दे रही थी, जबकि सिराज खेत से लौट रहे थे। दूर से बकरियाँ लदी देख उन्होंने बिना कपड़े बदले ही बाइक से कार का पीछा शुरू कर दिया और परिजनों व पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही कंदई कला चौकी प्रभारी श्याम सिंह और ग्रामीण पीछा करने लगे। कार के पीछे लगी भीड़ देखकर चोरों ने रफ्तार बढ़ा दी, लेकिन गददौपुर गांव के पास मोड़ पर उनकी कार दस फुट गहरे गड्ढे में पलट गई। पुलिस और ग्रामीणों ने बकरियों और चोरों को सुरक्षित बाहर निकाल कर चौकी पहुंचाया।चौकी प्रभारी श्याम सिंह के मुताबिक, गिरफ्तार तीनों चोर भदरसा थाना पूरा कलंदर क्षेत्र के रहने वाले हैं। पूछताछ में क्षेत्र में हुई दर्जनभर बकरी चोरी के मामलों के खुलासे की संभावना जताई जा रही है। सूचना पर थाना प्रभारी खण्डासा संदीप कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे और पूरे प्रकरण की जानकारी ली। ग्रामीणों की सतर्कता और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से इलाके में आतंक मचाने वाले इस गिरोह पर शिकंजा कस गया।



**पड़ताल** | **अयोध्या हेल्थ सेक्टर में बड़ा खुलासा**

# चार हजार के लालच में नवजात छीनने वाली एएनएम

» अब फर्जी हस्ताक्षर घोटाले में फंसी

» डीएम के निर्देश पर सीएमओ ने गठित की जांच कमेटी

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

अयोध्या।सीएचसी सोहावल के पीएचसी बड़ागांव में तैनात संविदा एएनएम शालिनी सिंह पर गंभीर आरोप लगे हैं। रुदौली तहसील के रामसरन दासपुर निवासी गीता से प्रसव कराने के लिए चार हजार रुपये मांगने और रुपये न देने पर नवजात को छीन लेने के मामले में शिकायत हुई थी। अब बचाव में एएनएम ने खुद ही ऐसा कदम उठा लिया, जिससे वह अपने ही जाल में फंस गई है।

शिकायत पर डीएम के निर्देश पर सीएमओ ने जांच टीम गठित की थी। आरोपों से बचने के लिए एएनएम शालिनी सिंह ने पीड़िता गीता

के फर्जी हस्ताक्षर कर एक प्रार्थना पत्र सीएचसी अधीक्षक को सौंपा, जिसमें शिकायत को फर्जी बताया गया। पत्र की लिखावट खुद एएनएम की पाई गई, जिससे स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया।

पीड़िता के चचेरे ससुर शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि उन्होंने या परिवार ने किसी तरह की क्लीन चिट नहीं दी और एएनएम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

सीएचसी अधीक्षक डॉ. फातिमा हसन ने भी पुष्टि की कि पीड़िता या परिवार ने कोई पत्र नहीं दिया है, बल्कि अब शिकायत वापस लेने के लिए दबाव डाले जाने की जानकारी भी मिली है।

मामला अब सीधा फर्जीवाड़ा और दबाव बनाने की कोशिश में तब्दील हो गया है, जिसकी जांच के बाद कड़ी कार्रवाई तय मानी जा रही है।



» (स्वराज इंडिया की खबर का धमाका)

## माँ की गोद से छीना गया था नवजात

अब संविदा एएनएम शालिनी सिंह पर कार्रवाई जांच भी जारी

**स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो**

अयोध्या। स्वराज इंडिया की तेज़ और निर्भीक पत्रकारिता का बड़ा असर सामने आया है। पीएचसी बड़ागांव में प्रसव के नाम पर चार हजार रुपये की वसूली कर नवजात शिशु को मां की गोद से छीन लेने वाली संविदा एएनएम शालिनी सिंह पर आखिरकार सीएमओ ने कार्रवाई की है।

स्वराज इंडिया ने 5 अगस्त को इस अमानवीय कृत्य को प्रमुखता से उजागर किया था, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया। सीएमओ डॉ. सुशील कुमार बानियान ने मामले की गंभीरता को देखते हुए शालिनी सिंह का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण करते हुए उसके खिलाफ जांच बैठा दी है।

पीड़िता गीता, निवासी राम सरन दासपुर, ने डीएम को दी गई शिकायत में आरोप लगाया कि चार हजार रुपये की मांग पूरी न होने तक एएनएम ने नवजात को जबरन छीन लिया और बाजार से निजी दवाएं भी खरीदवाईं।

यह घटना स्वास्थ्य विभाग की संवेदनहीनता और भ्रष्टाचार की एक शर्मनाक बानगी है।

अब डॉ. वेद प्रकाश त्रिपाठी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति — जिसमें डॉ. फातिमा हसन और बृजेश कुमार मिश्र शामिल हैं — पूरे मामले की जांच कर रही है।

शालिनी सिंह को सीएचसी सुनबा भेज दिया गया है ताकि जांच प्रक्रिया प्रभावित न हो।

स्वराज इंडिया एक बार फिर जन सरोकार की पत्रकारिता में अगुवाई करते हुए अन्याय के खिलाफ बुलंद आवाज़ साबित हुआ है।

एएनएम ने तोड़ डाली मानवीय संवेदनाओं की सारी हदें

# रूस से क्रूड ऑयल खरीदारी पर ब्रेक

# सरकारी कंपनियों ने लिया फैसला!

## क्या यह ट्रंप का सख्त रुख और दवाब का असर है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

**नई दिल्ली।** अमेरिका के दबाव और टैरिफ बढ़ने के बाद भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने फिलहाल रूस से क्रूड ऑयल खरीदना रोक दिया है। यह फैसला अक्टूबर लोडिंग वाले कार्गों को प्रभावित करेगा। कंपनियां अब अन्य देशों से तेल खरीदने की तैयारी में हैं। सरकार की ओर से स्पष्ट निर्देश का इंतजार है।

भारत की सरकारी तेल कंपनियों ने फिलहाल रूस से क्रूड ऑयल खरीदना बंद कर दिया है। इसकी वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से बढ़ता दबाव और भारी टैरिफ है। सूत्रों के मुताबिक, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी कंपनियों ने तय किया है कि वे इस बार रूस से सीधे तेल नहीं खरीदेंगी, जब तक कि सरकार की तरफ से कोई साफ निर्देश नहीं आ जाते। इस फैसले का असर अक्टूबर महीने में भेजे जाने वाले तेल कार्गों (Urals ग्रेड कच्चा तेल) पर पड़ेगा। यानी जब तक हालात साफ नहीं होते, तब तक इन कंपनियों ने रूस से नई खरीदारी नहीं करने का फैसला लिया है।

**इस फैसले का असर अक्टूबर महीने में भेजे जाने वाले तेल कार्गों (Urals ग्रेड कच्चा तेल) पर पड़ेगा। यानी जब तक हालात साफ नहीं होते, तब तक इन कंपनियों ने रूस से नई खरीदारी नहीं करने का फैसला लिया है।**

**अमेरिका नाराज, भारत की रूसी तेल खरीद पर बढ़ा दबाव :** भारत की तेल कंपनियां रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीद रही हैं। इसी वजह से अमेरिका ने सख्त रुख अपनाया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से होने वाले सभी निर्यात पर टैरिफ दोगुना कर दिया है। यह कदम सीधे तौर पर रूस से तेल खरीदने पर भारत को सजा देने जैसा है। ट्रंप चाहते हैं कि रूस पर दबाव बने और वह यूक्रेन के साथ युद्ध को खत्म करे। चौंकाने वाली बात यह है कि रूस से तेल खरीदने वाले दूसरे बड़े देश चीन पर अभी तक ऐसा कोई दबाव नहीं डाला गया है।

---

**कैबिनेट से 'वॉर प्लान' पास**

## गाजा पर कब्जा करेगा इजरायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**नई दिल्ली।** इसराइल की सुरक्षा कैबिनेट ने आज सुबह की बैठक में इसराइली प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू के गाजा पर नियंत्रण करने की योजना को मंजूरी दे दी हैं। इस पर प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय ने एक बयान भी जारी किया है। इसमें गाजा पर नियंत्रण की स्वीकृत योजनाओं और युद्ध समाप्त करने के लिए पांच बिंदुओं का मुख्य रूप से विवरण दिया गया है। इसे कैबिनेट ने बहुमत से ही पास किया है। ये पांच बिंदु इस प्रकार हैं-हमास का निशस्त्रीकरण, सभी बंधकों की वापसी-जीवित और मृत, और गाजा में विसैन्यीकरण का होना, गाजा पर इसराइल का पूरी तरह से सुरक्षा नियंत्रण, और हमास और फलस्तीनी प्राधिकरण मुक्त वैकल्पिक नागरिक सरकार का होना।

---

**रणनीति** **जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद कई नाम चर्चा में**

# कौन बनेगा अगला उपराष्ट्रपति?

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

**नई दिल्ली।** जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद नए उपराष्ट्रपति की रेस तेज हो गई है। हरिवंश नारायण सिंह, नड्डा, गडकरी, सीतारमण, रामनाथ ठाकुर, शशि थरूर और मनोज सिन्हा जैसे नाम चर्चा में हैं।

जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद देश के दूसरे सबसे बड़े संवैधानिक पद पर नई दौड़ शुरू हो चुकी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। लेकिन असली सियासत अब शुरू होती है। संविधान के अनुच्छेद 68 के अनुसार, उपराष्ट्रपति का चुनाव छह महीने के भीतर यानी सितंबर 2025 तक होना अनिवार्य है। चूंकि बिहार विधानसभा चुनाव भी इसी समयावधि में हैं, इसलिए इस चुनाव को महज संवैधानिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि चुनावी रणनीति के नजरिये से भी देखा जा रहा है। पिछले एक दशक में बीजेपी सरकार ने प्रमुख संवैधानिक पदों की नियुक्तियों को आगामी चुनावों के मद्देनजर ही तय किया है और यह मौका भी अपवाद नहीं लगता।

**संसद में बहुमत, लेकिन सहयोगियों की भी जरूरत :** लोकसभा और राज्यसभा के कुल प्रभावी 782 सदस्यों में से 394 वोट जीत के लिए जरूरी हैं। बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए इस वक्त लोकसभा में 293 और राज्यसभा में 129 सांसदों का समर्थन प्राप्त है। यानी आंकड़ों के हिसाब से एनडीए के पास स्पष्ट बहुमत है, लेकिन इसमें सहयोगी दलों की भूमिका निर्णायक रहेगी। जेडीयू, टीडीपी और शिवसेना जैसे दलों का समर्थन बने रहना जरूरी है। बिहार में चुनावों को ध्यान में रखते हुए उपराष्ट्रपति पद के लिए जिन नामों की चर्चा है, उनमें सबसे ऊपर हरिवंश नारायण सिंह हैं। रामनाथ ठाकुर का नाम भी चर्चा में है।

---

# अगले हफ्ते हो सकती है ट्रंप-पुतिन की मुलाकात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

**नई दिल्ली।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही यूएई में मुलाकात कर सकते हैं। पुतिन ने गुरुवार को कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी बैठक के लिए संयुक्त अरब अमीरात एक संभावित स्थल है। पुतिन ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ बैठक के बाद क्रेमलिन में यह घोषणा की।

क्रेमलिन के एक अधिकारी ने पहले कहा था कि ट्रंप-पुतिन की बैठक अगले सप्ताह की शुरुआत में हो सकती है, हालांकि अभी तक तारीख की पुष्टि नहीं हुई है। इस साल ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद पुतिन और ट्रंप के बीच यह पहली मुलाकात होगी।

**क्या जेलेंस्की होंगे शामिल? :** यह पूछे जाने पर कि बैठक की पहल किसने की, पुतिन ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, दोनों पक्षों ने रुचि व्यक्त की है। बैठक में जेलेंस्की की संभावित भागीदारी के बारे में बोलते हुए पुतिन ने कहा कि वह इसके खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा, यह एक संभावना है लेकिन कुछ निश्चित शर्तें बनाने की जरूरत है। क्रेमलिन ने पहले कहा था कि पुतिन और जेलेंस्की को तभी मिलना चाहिए जब उनके बीच कोई समझौता हो जाए।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि गुरुवार सुबह तक कोई स्थान तय नहीं किया गया था। अधिकारी ने कहा कि अमेरिका द्वारा शुक्रवार को रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने की उम्मीद है।